

तादीय
हुकम

२५/२/२०

Not press
सुजाय २५२५
५

काणपगावली पेशा हुई। जमीनी मूलाका
पगावली काण कनेवनाडिक कोटपेस वा लप
कोटपेस लारीक की का बुकी ई ऐसी लिखीक
काणपगावली का कोट कोटिले गरी रह जा
ई कला मह पगावली की कोटपेस लारीक की
काणे ई लव प्रक कारी कनेवनाड का देश
को ली कने काणे ई। कने ल हु काणे ई।
गवले कने ई। काण ल कने ल ल ल ल ल
मूल कने ई। हु काण जाण।

रपरवण विकारी
मुण्डावर (अलवर) राज०

